गर्म चूत चुदाई वाली सर्दी की रात

“एक गाँव के एक कार्यक्रम में मैंने मंच संचालन किया और एक पहचान वाले कार्यकर्ता को कहा कि मैं उसके घर सोऊँगा. मैं देर से पहुंचा तो सभी सोये हुए थे. मेरे भाग्य में क्या था वहाँ ? …”

Story By: कवीर राज (kavirraaj)
Posted: Thursday, October 29th, 2015
Categories: जवान लड़की
Online version: गर्म चूत चुदाई वाली सर्दी की रात

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गर्म चूत चुदाई वाली सर्दी की रात

अन्तर्वासना के चाहने वालों को कविर राज का नमस्कार।
मैं जयपुर शहर में रहता हूँ, मैं एक स्मार्ट लड़का हूँ और मेरी उम्र 28 साल है। मेरा गोरा रंग है और 5 फुट 10 इंच की अच्छी खासी लंबाई है।
मैं काफ़ी समय से अन्तर्वासना का पाठक हूँ। वैसे तो मैं चुदाई में माहिर हूँ.. पर आज तक कहने से शरमाता रहा हूँ।

मेरे भाई कोटा में किसी गाँव में टीचर हैं। मेरा वहाँ आना-जाना बना रहता है। उस गाँव में मैं कई सामाजिक कार्यक्रमों में भाग ले चुका हूँ.. तो गाँव वाले मुझे खूब बुलाते हैं।

यह बात 2010 की जनवरी की है.. उस गाँव में कोई कार्यक्रम था और भाई किसी काम से घर से बाहर गया था। मैंने मंच का संचालन किया और मैंने किसी मिलने वाले से बोल दिया कि मैं उसके घर सोने आऊँगा.. मेरे बिस्तर कमरे में लगवा देना।

गाँव के लोग जल्दी सो जाते हैं, मैं 11 बजे उसके घर सोने गया तो मैंने देखा सभी सो रहे हैं।
मैंने आवाज़ लगाई तो कोई जबाव नहीं आया.. पर उसके दरवाजे खुले हुए थे।
वो एक छोटा किसान है.. उसकी उम्र करीब 40 बरस की है। उसकी बड़ी लड़की किरण की उम्र 18 साल है और दो छोटे लड़के भी हैं। उसके पास सिर्फ एक ही कमरा है। सर्दी बहुत अधिक थी और गाँव में लाइट भी नहीं थी।

मैंने देखा कि मेरा बिस्तर ज़मीन पर लगा था और कोई दो जने भी नीचे रजाई ओढ़ कर सो रहे थे। मेरा बिस्तर भी उनके बिस्तर से लगा हुआ था। मैं चुपचाप सो गया।

कुछ देर बाद मुझे महसूस हुआ कि मेरी रज़ाई पतली है और कोई कंबल भी नहीं है। मुझसे रहा नहीं जा रहा था। सर्दी बहुत ज़्यादा तेज थी.. मैं ठिठुरने लगा।

अंत में मैंने सोचा कि बगल वाले की रज़ाई में थोड़ा किनारा ले लेते हैं। जैसे ही मैं उसकी रज़ाई में घुसा.. वो तो बहुत ही गरम थी.. कसम से मज़ा आ गया।

मेरा हाथ जहाँ टकराया.. वह कोई नरम चीज़ थी। मैंने हाथ घुमाया तो पाया कि वह तो किरण की जाँघ है। नींद में मैं उसकी रजाई में घुस तो गया.. लेकिन मेरी गाण्ड फटने लगी। मैं किरण से चिपक कर सोने लगा.. तो वह नींद में अलसाई सी आवाज में बोली- आ गए..
मैंने कहा- अरे तुम अभी तक जाग रही हो ?
तो वो बोली- जब तुम आए थे.. तब मैं पेशाब करके ही आई थी।
मैंने कहा- मुझे ठंड लग रही थी.. तो मैं आ गया।

जैसे ही मैं अपनी रज़ाई में जाने लगा.. तो उसने मेरा हाथ पकड़ लिया.. बोली- यहीं सो जाओ।
मैंने कहा- यदि गड़बड़ हो गई तो ?
वो बोली- वहाँ ठंड ज़्यादा है.. बीमार हो जाओगे।

जैसे ही मैं उसकी रज़ाई में पूरी तरह घुसा.. तो वो मुझसे चिपक गई।
बाप रे मेरी तो साँसें हीं थम सी गईं। उसने अपने पाँव को मेरी जांघों पर रख दिए। मुझे पता था कि किरण कुछ लड़कों से चुदवा चुकी है।

किरण की साँसें मेरी साँसों से मिल रही थीं।
अब धीरे-धीरे मैं भी मदहोश होने लगा। किरण बहुत ही सुंदर लड़की है और उसका फिगर भी 34-32-36 का है। हमारे आपस के संबंध अच्छे हैं.. तो मैंने पहले कभी उसके बारे में ऐसा कुछ नहीं सोचा था।

अब मैं किरण को किस करने लगा.. उसके होंठ बहुत ही रसीले थे.. लगता था कि कोई आम की फाँक हो।
मैंने किरण को नंगी कर दिया और उसने भी मुझे नंगा कर दिया।
एक तो जनवरी की सर्दी.. ऊपर से लड़की का नंगा बदन.. मुझे तो लग रहा था कि मानो क़यामत ही आ गई हो।

किरण के मम्मे बहुत ही मस्त हो रहे थे और मैं उन्हें पागलों की भाँति चूम रहा था। किरण सिसकियाँ भर रही थी.. पर हम रज़ाई में अन्दर थे और मैंने कमरे की कुण्डी भी लगा रखी थी।

किरण की चूत का गीलापन मेरी जांघों पर महसूस हो रहा था। करीब आधा घंटे तक रोमांस करने के बाद मैं किरण की चूत को चाटने लगा।
वाह.. क्या मस्त पानी था.. किरण की चूत को चाट-चाट काट मैंने लाल कर दिया।

अब वो भी मेरे लंड को दबा रही थी और कह रही थी- आह्ह.. अब मुझे जल्दी से चोद दो.. अब सहन नहीं होता।
मैंने किरण के पैरों को फैलाया और अपना 8 इंच का लंड किरण की चूत में घुसा दिया।
किरण की सिसकारियाँ शुरू होने लगीं। मैंने उसके होंठों पर होंठ लगा दिए।

मैं उसको काफी देर तक चोदता रहा.. सच्ची दोस्तों साली की चूत चोदने में मज़ा आ गया।
उसके बाद हम दोनों एक-दूसरे से नंगे ही चिपक कर सो गए।
दोस्तो, बहुत शानदार नींद आई..
सुबह किरण जल्दी जाग गई और मुझसे बोली- अपना बिस्तर मुझसे दूर खिसका कर आराम से सो जाओ।
मैंने वैसा ही किया।

सुबह उठा तो किरण दूध लेकर आई और बोली- नींद कैसी आई।
मैंने उसे किस किया और कहा- यह तो शुरूआत है।

इसके बाद क्या हुआ और कैसे और चुदाई हुई.. वो सब भी लिखूँगा पर पहले आप तो लिखिए कि आप सभी को मेरी कहानी कैसी लगी।
मुझे ईमेल ज़रूर लिखें।
kavirraaj7@gmail.com